सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 33 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 5 मार्च, 2025
मूल्य ₹ 3/-

जब मैं छोटा था तब मेरे बहुत सारे सपने थे, और मुझे लगता है उनमें से ज्यादातर इसलिए पनप पाए क्योंकि मुझे बहुत अधिक पढ़ने का मौका मिला।
-बिल गेट्स

विशेष ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेल... 7 | आखिर जदयू के दांव में फंसीं... 3 | फर्जी निवेशक, झूठा निवेश लगातारा... 2

महायुति सरकार पर संकट के बादल!

मंत्री डॉ. धनंजय मुंडे के इस्तीफे के बाद मंत्री माणिकराव कोकाटे और मंत्री जयकुमार रावल का इस्तीफा भी संभव!

» पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल की जमीन हड़पने का आरोप सिद्ध

» एकनाथ शिंदे, अजीत पवार और फडणवीस की अति महत्वकाक्षाओं में फंसी महाराष्ट्र सरकार

» दो माह पुरानी सरकार में जल्द हो सकती है इस्तीफों की बारिश

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

महाराष्ट्र। 2 माह पुरानी महाराष्ट्र की महायुति सरकार में सिर फुटव्वल चरम पर है। धनंजय मुंडे के इस्तीफे के बाद कुछ और मंत्रियों के इस्तीफे जल्द ही संभव हैं। मंत्री माणिकराव कोकाटे को निचली आदालत द्वारा सजा सुनाई जा चुकी है वहीं मंत्री जयकुमार रावल पर पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल की जमीन पर कब्जा करने का अरोप सिद्ध हो चुका है। इन सजाओं के बाद मंत्रियों पर इस्तीफे का दबाव है।

वहीं अजीत पवार, एकनाथ शिंदे और फडणवीस की महत्वकांक्षाओं के त्रिकोण में फंसी सरकार में कब कौन सा मंत्री इस्तीफा दे दे किसी को पता नहीं। खतरें में सीएम फडणवीस की कुर्सी भी है। पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने यह कह कर सनसनी बड़ा दी है कि महाराष्ट्र की कानून व्यवस्था यूपी और बिहार से बदतर हो चुकी है। महाराष्ट्र मे अंडरवलर्ड फिर से सर उठा रहा है। मंत्रीयों पर हत्या और जबरन जमीन पर कब्जा करने के आरोप लग रहे हैं। पूर्व राष्ट्रपति की जमीन तक को सरकार में बैठे लोग नहीं छोड़ रहे हैं। राज्य के विपणन एवं प्रोटोकॉल मंत्री और धुले जिले के संरक्षक मंत्री जयकुमार रावल द्वारा पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल की जमीन हड़पने के मामले में धुले जिला न्यायालय ने हड़पी गई जमीन वापस करने का आदेश दिया है। इस आदेश के बाद रावल पर इस्तीफा देने का दबाव बढ़ गया है।

एकनाथ शिंदे

अजीत पवार

देवेंद्र फडणवीस

जयकुमार रावल

डॉ. धनंजय मुंडे

माणिकराव कोकाटे

जमीन को वापस करने का दिया कोर्ट ने आदेश

अनिल गोटे ने दावा किया कि रावल परिवार ने फर्जी ट्रस्ट दस्तावेज तैयार किए और पूर्व राष्ट्रपति को बताया कि उन्हें 30 लाख रुपये के लेनदेन की रसीद मिली है, जिससे पता चलता है कि वह जमीन को बेच दी गई है। उस जमीन को खरीदने के लिए न्यायालय में मुकदमा भी दायर किया गया था। हालांकि, जब कोर्ट ने ट्रस्टियों को गवाह के तौर पर कोर्ट में पेश होने को कहा तो उन्होंने एक व्यक्ति को पावर ऑफ अटॉर्नी के साथ भेजा। हालांकि, कोर्ट ने उनके दावे को खारिज करते हुए सभी दलीलों को झूठा और फर्जी बताया और रावल परिवार के खिलाफ फैसला सुनाया। कोर्ट ने पूर्व राष्ट्रपति की हड़पी गई जमीन वापस करने का आदेश दिया।

नहीं बन रही तीनों में

महाराष्ट्र की राजनीतिक स्थिति में इस समय सबसे खराब स्थिति में एनसीपी है। अजीत पावर वाली एनसीपी के दो मंत्री इस्तीफा दे चुके हैं। अजीत पवार फडणवीस सरकार की कार्यशैली से खुश नहीं है और कई बार सार्वजनिक मंच से सरकार की कार्यशैली पर उंगली उठा चुके हैं। वही पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी नाराज है। शिंदे कैबिनेट बैठक की अनदेखी लगातार कर रहे हैं।

विवादों में घिरे महायुति के तीसरे मंत्री हैं रावल

विवादों में घिरे धनंजय मुंडे और माणिकराव कोकाटे के बाद अब मंत्री जयकुमार रावल का नाम सामने आया है, जिससे महायुति में संकट के बादल छा गये हैं। पूर्व विधायक अनिल गोटे ने कहा कि देश की पहली महिला राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल को दोंडाईचा शिवरत में 38 आर क्षेत्र समूह संख्या 403/1, 403/3 और 404 की 10 हेक्टेयर जमीन उनकी मौसी से मिली थी। उन्होंने यह जमीन रावल परिवार को यह दावा करते हुए प्रबंधन के लिए दे दिया था कि ये उनके रिश्तेदार हैं। लेकि?न, उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल की 12 एकड़ जमीन पर फसल उगाकर करोड़ों रुपये की जमीन हड़पने की साजिश रची।

'यूपी बिहार से ज्यादा महाराष्ट्र की कानून व्यवस्था खराब'

शिवसेना (यूबीटी) के मुखिया उद्धव ठाकरे ने डॉ. धनंजय मुंडे के इस्तीफे से लेकर राज्य सरकार की कानून-व्यवस्था पर कई सवाल उठाए। ठाकरे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से सवाल किया कि मुख्यमंत्री ने अब तक इस पर कोई एक्शन क्यों नहीं लिया। ठाकरे ने यह भी कहा कि फडणवीस के पास गृह विभाग भी है, ऐसे में उन्हें इस मुद्दे पर जवाब देना चाहिए। ठाकरे न कहा कि क्या कोई मुख्यमंत्री का हाथ पकड़कर इसे

संभालने की कोशिश कर रहा है? क्या उन्हें पहले इस फोटो के बारे में और जानकारी मिली थी? ठाकरे ने यह भी कहा कि विधानसभा के समय यह इस्तीफा क्यों दिया गया, यह बड़ा सवाल है? ठाकरे ने महाराष्ट्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि एक समय बिहार और उत्तर प्रदेश अपराध के लिए जाने जाते थे, लेकिन अब महाराष्ट्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति डिस्टर्ब हो गई है।

फर्जी निवेशक, झूठा निवेश लगातार ठगा जा रहा है उत्तर प्रदेश : अखिलेश

» सपा सुप्रीमो ने योगी सरकार के निवेश समिट पर लगाया आरोप

» फर्जी कंपनियों के साथ एमओयू कर जनता की आख में झोकी जा रही है धूल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक बार फिर इन्वेस्टर सम्मिट पर उंगली उठायी है। उन्होंने कहा है कि कि भाजपा सरकार के झूठ और लूट की पोल लगातार खुल रही है। सरकार में निवेश के नाम पर जनता को धोखा दिया। इनकी धोखाधड़ी लगातार सामने आ रही है। सरकार ने बिना जांच पड़ताल के फर्जी कम्पनियों से एमओयू किया। भाजपा सरकार ने इन्वेस्टर समिट के नाम पर लाखों करोड़ के निवेश का दावा किया लेकिन जमीन पर कहीं निवेष नहीं दिखाई देता है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का झूठ का गुब्बारा अब हर दिन नए-नए रूप में दिखाई दे रहा है। सरकार बिना सोचें समझे झूठ का रिकार्ड बनाने के लिए जो जहां मिल गया उसे बुलाकर एमओयू कर लिया। अब एमओयू को लेकर जो जानकारियां आ रही है वह बेहद गंभीर है। सरकार की नीयत को उजागर करती है। प्रदेश के 75 जिलों में डाटा सेंटर बनाने का जिम्मा लेने वाली ब्यू नाऊ मार्केटिंग सर्विसेज लिमिटेड और ब्यू नाऊ इंफ्राटेक फर्जी निकली। एमओयू की आड़ में मास्टर माइंड निवेशकों से हजारों करोड़ रूपये ठगकर विदेश भाग रहा था। इससे पहले भी खबरें आयी थी कि अमेरिका के जिस विश्वविद्यालय के पास छात्र नहीं थे प्रदेश सरकार ने उसके साथ नॉलेज पार्क के नाम पर एमओयू कर लिया।

सपा की पीडीए पंचायत हुई संपन्न, अखिलेश यादव को फिर सीएम बनाने का लिया संकल्प

सुलतानपुर (4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। सेमरी बाजार में समाजवादी पार्टी की लोहिया वाहिनी ने पीडीए पंचायत का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष लोहिया वाहिनी भजन यादव मौजूद रहे। उन्होंने दावा किया कि 2027 में अखिलेश यादव फिर से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बनेंगे। उन्होंने कहा कि हम लोगों को संगठित रहने की जरूरत है अगर हम संगठित होकर थाना कोतवाली पहुंचेंगे तो हम लोगों की बातों को सुना जाएगा। समाजवादी छात्र सभा जिलाउपाध्यक्ष विजय यादव ने महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के मुद्दे उठाए। उन्होंने छुट्टा मवेशियों की समस्या को लेकर किसानों की बदहाली का जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार संविधान द्वारा मिले अधिकारों को खत्म करना चाहती है। कार्यक्रम में प्रवेश अग्रहरि, शिव कुमार यादव, प्रदेश सचिव लोहिया वाहिनी हिमांशु यादव आशीष विश्वकर्मा देवतादीन प्रजापति महेश शर्मा लुटावन, गुड्डू, सोनू, दुर्गा शर्मा, राम बहादुर निषाद आदि उपस्थित रहे।

सिर्फ सपने दिखा रही है सरकार

सपा सुप्रीमो ने कहा कि भाजपा नौजवानों को नौकरी रोजगार नहीं दे रही है, सिर्फ सपने दिखा रही है। आठ साल की सरकार में भाजपा का एक भी कार्य कहीं दिखाई नहीं दे रहा है। प्रदेश की जनता भाजपा के चाल और चरित्र और चेहरे को अच्छी तरह से समझ गयी है। 2027 के विधानसभा चुनाव में इनके झूठ के गुब्बारे की हवा पूरी तरह से निकालकर इन्हें जमीन पर पटक देगी।

दोबारा लौटे ही नहीं निवेशक

अखिलेश यादव ने कहा कि इन्वेस्टर मीट में सरकार के तमाम निवेशक मेहमान दोबारा लौटे ही नहीं। सरकार ने इन्वेस्टर मीट के नाम पर जनता की आंख में धूल झोंका, भाजपा सरकार बेईमानी की नीति पर चल रही है। ठगी और बेईमानी का धंधा जोरो पर है। भाजपा सरकार प्रदेश की जनता से असत्य बोलकर धोखा दे रही है। इसके फर्जी निवेशक भी वही कर रहे हैं। सरकार ने अपनी पीठ थपथपाने के लिए धोखेबाजों और ठगों को संरक्षण देते हुए तमाम झूठे एमओयू कर लिए हैं। प्रदेश में भाजपा सरकार में एक भी उद्योग नहीं लगा और जो उद्योग पहले से लगे थे वे भी या तो बंद हो गये हैं या फिर बिक रहे है। किसी नौजवान को नौकरी नहीं मिल रही है।

मुजफ्फरनगर का नाम बदलकर लक्ष्मी नगर किये जाने की मांग

» यूपी सदन में हंगामा, विपक्ष ने लगाया मुद्दों से भटकाने का अरोप

» नाम बदलने से क्या मुकद्दर बदल जाएगा: विपक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद में भाजपा के मोहित बेनीवाल ने मुजफ्फरनगर का नाम बदलकर लक्ष्मी नगर किए जाने की मांग उठाई। उनकी इस मांग पर विपक्ष नाराज हो गया और हंगामा करने लगा। कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नाम बदलने से उत्तर प्रदेश का मुकद्दर नहीं बदलेगा। क्या जिस जगह नाम बदल गए, वहां के लोगों को रोजगार मिल गया है? क्या वहां का विकास हो गया है? क्या उन जगहों की कानून व्यवस्था ठीक हो गई है? राजनीतिक उद्देश्य बंद करें। प्रदेश की जनता से जुड़ी हुई चीजों पर बातें करें।

उन्होंने संभल मामले पर कहा कि जो जिसका है, वो उसे मिल जाए। इसमें किसी को दिक्कत नहीं है। यह तो न्यायालय भी कह रही है और कांग्रेस भी कह रही है। जो काम हो, न्यायोचित हो। सपा के सरधना विधायक अतुल प्रधान ने कहा कि नाम बदलने का ट्रेंड भाजपा में चल रहा है। मैं मुजफ्फरनगर के विधायक से कहना चाहता हूं कि वो जहां के रहने वाले हैं। वह गन्ने का क्षेत्र है। अगर वह वहीं से चिल्लाकर कह देते कि गन्ना किसान परेशान हैं, उनका पेमेंट नहीं हो रहा है। तीन साल से एक रुपए नहीं बढ़ा है और लगातार घटतौल और बेईमानी हो रही है। वहां की 70 से 80 फीसदी आबादी गन्ने पर आश्रित है। उसकी खेती करती है। इनके पास कोई काम नहीं है।

जैन समाज के 9 लोगों की चली गयी जान

अतुल प्रधान ने कहा कि बड़ौत में जैन समाज के नौ लोगों की जान चली गई थी। 50 से 60 लोग घायल हो गए। अगर मुद्दे उठाने हैं तो ऐसे उठाएं, जिससे जनता की परेशानी कम हो। सबसे ज्यादा घोटाला जलकल विभाग में हुआ है। उन्होंने संभल मामले पर कहा कि जो जिसका है, उसे मिलना चाहिए। 2027 में भाजपा की सरकार जाएगी तो जनता सबक सिखाएगी। यूपी विधान परिषद में भाजपा के मोहित बेनीवाल ने मुजफ्फरनगर का नाम बदलकर लक्ष्मी नगर किए जाने की मांग उठाई थी। उन्होंने कहा था कि हमारी परंपराओं के प्रति सम्मान के लिए जरूरी है कि हमारी भूमि और नगरों का नाम भी उसी अनुरूप रहें। ऐसे में महाभारत काल से जुड़े इस जिले का नाम बदला जाना जरूरी है।

भाजपा वाले कहीं मेरा नाम भी न बदल दें : शिवपाल सिंह

» बोले- रोज चच्चू—चच्चू कहकर पुकारते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के महासचिव शिवपाल यादव ने आज कहा कि भाजपा सरकार कहीं उनका नाम भी न बदल दे। रोज सदन में हमारा नाम चच्चू चच्चू कहते हैं। दरअसल यूपी विधानसभा में आज भाजपा के एमएलसी मोहित बेनीवाल ने मुजफ्फरनगर का नाम बदलकर लक्ष्मी नगर किए जाने की मांग की है।

मोहित बेनीवाल ने कहा कि हमारी परंपराओं के प्रति सम्मान के लिए जरूरी है कि हमारी भूमि व नगरों का नाम भी उसी के अनुरूप हो। ऐसे में महाभारत काल से जुड़े इस जिले का नाम बदला जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि यह केवल नाम बदलने का प्रश्न नहीं है, बल्कि हमारे सांस्कृतिक गौरव, सभ्यता के पुनर्जागरण व ऐतिहासिक सत्य की पुनर्स्थपना का संकल्प है।

उन्होंने कहा कि मुजफ्फरनगर कोई साधारण भूमि नहीं है, महाभारत काल से जुड़े हुए इसी जनपद के शुक्रताल में राजा परीक्षित ने ऋषि शुकदेव से भागवत पुराण का ज्ञान प्राप्त किया था। नाम बदलने के नाम पर समाजवादी पार्टी के महासचिव शिवपाल यादव ने कहा, भाजपा सिर्फ नाम बदलने का काम करती है। देखना कहीं हमारा तुम्हारा नाम न बदल दें। वहीं मुजफ्फरनगर का नाम बदलने की मांग पर कांग्रेस विधानसभा दल की नेता अराधना मिश्रा मोना ने कहा कि भाजपा के नाम बदलने से प्रदेश का मुकद्दर नहीं बदलेगा। इसी मामले पर चुटकी लेते हुए शिवपाल यादव ने कहा कि कहीं ये हमारा नाम न बदल दें।

लोकतंत्र में विपक्ष का होना जरूरी : संदीप दीक्षित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संदीप दीक्षित ने कहा है कि किसी भी लोकतांत्रिक देश में विपक्ष की अपनी एक अहम भूमिका होती है। लिहाजा मैं सत्तापक्ष के लोगों से कहना चाहूंगा कि वो विपक्ष के लोगों को रहने दें। उनके बिना विधानसभा में मजा नहीं आएगा। उन्होंने कहा कि अगर ऐसी स्थिति बन जाती है कि कोई विधानसभा में हल्ला करे और विधानसभा की मर्यादा का पालन न करे, तो ऐसी स्थिति में उस व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सकती है।

संदीप दीक्षित ने कहा कि अगर विपक्ष ही नहीं होगा, तो विधानसभा का मजा कैसे होगा। विधानसभा में विपक्ष का होना अनिवार्य है। क्या भाजपा अब आम आदमी पार्टी के साथ वैसा ही व्यवहार कर रही है, जैसा आम आदमी पार्टी ने भाजपा के साथ किया था? इस पर संदीप दीक्षित ने कहा कि बिल्कुल इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि मौजूदा समय में भाजपा का व्यवहार भी वैसा ही है। लेकिन, मैं एक बात स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि इस तरह के व्यवहार की कोई आवश्यकता नहीं है। किसी भी लोकतांत्रिक देश में विपक्ष की भूमिका को कमतर आंकना किसी भी मायने में उचित नहीं है।

आम आदमी पार्टी किसान विरोधी

एमएसपी को लेकर पंजाब में किसानों के विरोध पर संदीप दीक्षित ने कहा कि वहां तो आम आदमी पार्टी की सरकार है। आप तो यह दावा करती है कि वो किसानों के हित के बारे में सोचती है। लेकिन, जिस तरह से मौजूदा समय में किसानों के साथ व्यवहार किया जा रहा है, उससे यह साफ जाहिर हो चुका है कि आम आदमी पार्टी भी किसान विरोधी पार्टी है।

पीएम कर रहे हैं दिखावा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रमजान-ए-खुसरो कार्यक्रम में जाने को लेकर संदीप दीक्षित ने कहा कि यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि प्रधानमंत्री ऐसा करके दिखावा कर रहे हैं, जिसे अब मौजूदा समय में किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन, प्रधानमंत्री को ऐसा करके कुछ भी प्राप्त होने वाला नहीं है। हम इस बात को खारिज नहीं कर सकते हैं कि यह पार्टी सांप्रदायिकता पर ही बनी हुई है। ऐसे में इस तरह से किसी भी कार्यक्रम में जाने से क्या फर्क पड़ेगा। वहीं, ट्रंप के संबोधन पर उन्होंने कहा कि उनके बारे में कुछ भी कह पाना मुश्किल है, क्योंकि वो सुबह कुछ और कहते हैं और शाम को कुछ और।

कोई खास काम नहीं कर रही बीजेपी

कांग्रेसी नेता ने कहा कि मैं कहना चाहूंगा कि अभी कौन-सा भाजपा कोई खास काम कर रही है। विधानसभा में ऐसा तो वो कोई जरूरी काम नहीं कर रही है। हमें कोशिश करनी चाहिए कि विधानसभा में पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए अनुकूल माहौल रहे। विपक्ष को अपनी बात रखने का मौका मिले, क्योंकि जनता विपक्ष को भी जानना चाहती है। उनके विचारों के बारे में भी जनता जानने के लिए आतुर रहती है। कांग्रेस नेता शमा मोहम्मद द्वारा रोहित शर्मा के संदर्भ में की गई टिप्पणी पर संदीप दीक्षित ने कहा कि मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है, तो ऐसी स्थिति में मुझे नहीं लगता है कि इस पर किसी भी प्रकार की प्रतिक्रिया देना उचित रहेगा।

आखिर जदयू के दांव में फंसी बीजेपी

विस चुनाव-25 के लिए सीएम चेहरे पर दावं

- नीतीश कुमार ही होंगे एनडीए के उम्मीदवार
- सहयोगियों से चर्चा के बाद सहमति
- विपक्ष ने बताया थका हुआ चेहरा
- पीएम मोदी ने नीतीश को कहा था लाडला सीएम

गीताश्री/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। आखिरकार जदयू का दबाव काम गया। बिहार में वर्तमान एनडीए सरकार के सीएम नीतीश कुमार ही सीएम को चेहरा होंगे। सूत्रों की माने तो गठबंधन के सभी सहयोगी इस बात पर राजी हो गए हैं। हालांकि विपक्ष खासतौर से राजद सीएम नीतीश कुमार को टायर्ड व रिटायर्ड बता रहे हैं। बता दें बिहार में अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं।

बिहार की वर्तमान सरकार का कार्यकाल 22 नवंबर 2025 तक है। इससे पहले ही चुनाव होने हैं, बिहार चुनाव में इस बार एनडीए का सीएम फेस कौन होगा,ये साफ हो गया है, नीतीश कुमार एक बार फिर से बिहार चुनाव में एनडीए का सीएम फेस होंगे, बीजेपी और जेडीयू में इसे लेकर सहमति बन गई है। ऐसा माना जा रही है जेडीयू की तरफ से बीजेपी पर लगातार ये दबाव बनाया जा रहा था कि नीतीश कुमार को ही एनडीए का सीएम फेस घोषित किया जाए. सबसे पहले नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने आगामी विधानसभा चुनाव में पिता को सीएम उम्मीदवार घोषित किए जाने की मांग उठाई थी। अब नीतीश के नाम पर सहमत बन गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 फरवरी को भागलपुर की रैली में नीतीश कुमार को लाडले मुख्यमंत्री की उपमा दी थी। अब एनडीए के मुख्यमंत्री उम्मीदवार के तौर पर नीतीश कुमार के नाम पर मुहर लग गई है। बिहार में एनडीए के घटक जीतन राम मांझी नीतीश कुमार के नाम पर पहले ही मुहर लगा चुके थे. कुछ ऐसे ही संकेत चिराग पासवान ने भी दिए थे। अब जेडीयू और बीजेपी के बीच नीतीश के नाम पर सहमति बन गई है।

नीतीश कुमार होंगे एनडीए का सीएम फेस

बीजेपी कोटे से मंत्री प्रेम कुमार ने कहा था कि मुख्यमंत्री के सवाल पर विचार चुनाव के बाद होगा। वहीं बिहार बीजेपी अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा था कि चुनाव तो नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा, हालांकि मुख्यमंत्री कौन होगा इसका फैसला बीजेपी के संसदीय बोर्ड को करना था। अब साफ हो गया है कि बिहार का विधानसभा चुनाव नीतीश कुमार के नाम पर ही लड़ा जाएगा।

तय फार्मूले के तहत हुआ विस्तार

मंत्रिमंडल में बर्थ को ले कर 3.5 विधायक पर एक मंत्री का फार्मूला तय किया गया। इस फार्मूले के हिसाब से जदयू का कोटा पहले ही पूरा हो चुका था। भाजपा के कोटे में सात मंत्री कम थे। विस्तार में भाजपा ने जातिगत समीकरण साधने पर विशेष जोर दिया है। शामिल किए गए मंत्रियों में कोइरी बिरादरी से सुनील कुमार, तेली बिरादरी से मोतीलाल प्रसाद, वैश्य से संजय सरावगी, कुर्मी से कृष्णकुमार मंटू, भूमिहार से जीवेश मिश्रा, राजपूत बिरादरी से राजू सिंह और मल्लाह बिरादरी से विजय मंडल हैं।

मंत्रिमंडल विस्तार के जरिये एनडीए ने चुनाव से पहले दुरुस्त किए गठबंधन के कील-कांटे

चुनाव में एनडीए नेताओं के बीच अलग-अलग क्षेत्र में अलग-अलग रणनीति के तहत जातिगत समीकरण साधने पर रणनीति बनी है। मसलन सीमांचल में भाजपा जोर-शोर से हिंदुत्व को मुद्दा बनाएगी। मिथिलांचल और कोसी क्षेत्र में गठबंधन की रणनीति के केंद्र में पिछड़ी और अति पिछड़ी जातियां होंगी। बजट सत्र से दो दिन और विधानसभा चुनाव से आठ महीने पूर्व भाजपा और जदयू ने मंत्रिमंडल विस्तार के जरिये गठबंधन के कील-कांटे दुरुस्त कर लिए हैं। चुनाव में सीएम नीतीश कुमार ही राज्य में एनडीए का चेहरा होंगे। गठबंधन हिंदुत्व के साथ ही विकास को मुख्य चुनावी मुद्दा बनाएगा। हालांकि, विस्तार में सभी सात सीटें हासिल कर भाजपा ने सरकार में अपनी धमक कायम रखने का संदेश दिया है। गौरतलब है कि मंत्रिमंडल विस्तार का करीब एक साल से इंतजार किया जा रहा था।

चुनाव की रणनीति, चेहरा जैसे अहम सवालों पर चिंतन : केसी त्यागी

जदयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने मुताबिक, मंत्रिमंडल विस्तार, विधानसभा चुनाव की रणनीति, चेहरा जैसे अहम सवालों पर मंगलवार को नीतीश कुमार और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के बीच बैठक में गहन मंथन हुआ। इसी बैठक में नीतीश ने विस्तार में संख्या बल के आधार पर सभी सात खाली सीटें भाजपा को देने पर सहमति जताई, जबकि, नड्डा ने नीतीश को गठबंधन का चेहरा बनाने का पुराना वादा दोहराया। उन्होंने कहा, चेहरे के सवाल पर एनडीए में शामिल सभी दलों में सहमति है।

सीएम नीतीश को निपटाने की हो रही तैयारी : मनोज झा

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज झा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार को निपटाने% की तैयारी की जा रही है और उनके समर्थकों के साथ नाइंसाफी की योजना बनाई जा रही है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 फरवरी को भागलपुर की जनसभा में नीतीश कुमार को लाडला मुख्यमंत्री कहकर संबोधित किया था। इस पर तंज कसते हुए मनोज झा ने कहा, जब पड़ोस के बच्चे को खिलौना चाहिए होता था, तो मां अपने बच्चे को लाडला कहकर समझाती थी। अरे, मेरा लाडला, तुम्हें दूसरा ला देंगे, यह खिलौना उसे दे दो। मैं इसे निपटाने की तैयारी मानता हूं।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के बयान, जिसमें उन्होंने नीतीश कुमार के भीतर देवीय शक्ति होने की बात कही थी, पर भी मनोज झा ने कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, गांवों में जब किसी पर देवी आती है तो उसे बांधकर रखा जाता है और विनती कर जाने के लिए कहा जाता है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि नीतीश जी साकांक्ष हो जाएं।

लालू यादव मेरे अंकल : निशांत कुमार

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार इन दिनों सक्रिय हुए हैं। अक्सर मीडिया से दूरी बनाकर रहने वाले निशांत इन दिनों जब खुलकर बिहार की राजनीति और आगामी बिहार विधानसभा चुनाव पर प्रतिक्रिया देने लगे तो सियासी गलियारे में तरह-तरह के कयास भी उन्हें लेकर लगाए जाने लगे। निशांत ने एनडीए को फिर से जीत दिलाकर अपने पिता नीतीश कुमार को फिर एकबार मुख्यमंत्री बनाने की अपील की है। एक यूट्यूब न्यूज पोर्टल पर बातचीत के दौरान निशांत कुमार से जब पूछा गया कि क्या आपको लालू यादव आपको पसंद हैं? तो उन्होंने कहा कि वो मेरे अंकल हैं, पिताजी के साथ स्टूडेंट फाइटर रहे, जब से जेपी हैं, तब से साथ ही दोनों रहे हैं तो ठीक है, वहीं पीएम मोदी के बारे में निशांत ने कहा कि एकदम वो भी पसंद हैं गठबंधन में हैं। बता दें कि तेजस्वी यादव ने भी निशांत को अपना भाई बताया था। वहीं जब तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार की सेहत को लेकर सवाल उठाना शुरू किया तो निशांत ने मोर्चा थामा और तेजस्वी के बयान को गलत बताते हुए कहा कि उनके पिता बिल्कुल स्वस्थ हैं और आराम से वो अगले पांच साल भी मुख्यमंत्री बनकर सरकार चला सकते हैं। वहीं पीएम मोदी ने जब भागलपुर रैली में नीतीश कुमार को लाडला मुख्यमंत्री कहा तो इसपर प्रतिक्रिया देते हुए निशांत ने खुशी जाहिर की थी और कहा था कि गठबंधन में हैं तो वो कहेंगे ही। वहीं मुख्यमंत्री चेहरा एनडीए की ओर से कौन होगा, इसे लेकर निशांत ने कहा कि अभी चुनाव में 8 महीने बचे हैं, समय पर सब होगा। भाजपा भी कहती ही आयी है कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाएगा।

निशांत को लॉन्च करने की भी तैयारी

हाल ही में अपने राजनीतिक बयानों के कारण चर्चा में आए सीएम नीतीश कुमार के पुत्र निशांत को आगामी विधानसभा चुनाव में लॉन्च करने की तैयारी जोरशोर से चल रही है। जदयू सूत्र ने बताया कि पार्टी में सभी इस पर सहमत हैं। अंतिम फैसला नीतीश को करना है। संभवत- अगले महीने निशांत को राजनीति में उतारने की घोषणा कर दी जाएगी।

क्षेत्र के अनुसार बदल जाएंगे चुनावी मुद्दे

चुनाव में एनडीए नेताओं के बीच अलग-अलग क्षेत्र में अलग-अलग रणनीति के तहत जातिगत समीकरण साधने पर रणनीति बनी है। मसलन सीमांचल में भाजपा जोर-शोर से हिंदुत्व को मुद्दा बनाएगी। मिथिलांचल और कोसी क्षेत्र में गठबंधन की रणनीति के केंद्र में पिछड़ी और अति पिछड़ी जातियां होंगी। इस क्षेत्र में पार्टी जातिगत समीकरण साधने के साथ विकास को अहम मुद्दा बनाएगी। भोजपुरी भाषी क्षेत्र में गठबंधन विधानसभा चुनाव को यादव बनाम गैर यादव ओबीसी का रंग देगी, जबकि पटना, बाढ़ जैसे इलाके में हिंदुत्व और विकास दोनों गठबंधन की रणनीति का हिस्सा होंगे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

तकनीकी साक्षरता से ही निकलेगा समाधान

लोग डिजिटल समानों का प्रयोग तेजी कर रहे हैं। पर उसके दुरुपयोग या उसके नुकसान को नहीं समझ पाते हैं साइबर अपराधियों के चंगुल में फंसकर अपने को आर्थिक हानि पहुंचाते लेते हैं। बता दें गांव हो या शहर इंटरनेट की दूरदराज तक पहुंच ने लोगों का आधुनिकता से तो परिचय करवाया लेकिन तकनीकी साक्षर न होने के कारण आज भी अधिकांश लोगों के लिए ये केवल विलासिता की वस्तु की तरह है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में आर्थिक वैज्ञानिक और सामरिक रूप से संपन्नता साथ तकनीकी दृष्टि से भी सशक्त देश ही विकसित अर्थव्यवस्था का गौरव प्राप्त करते हैं। तकनीकी साक्षरता की अवधारणा को नई सदी के सूत्रपात के रूप में माना जाता है। कोविड के दौरान डिजिटल तकनिकी का शिक्षा,स्वास्थ सेवाएँ सभी में प्रभावी रूप से उपयोग किया गया। इसमें कोई दो राय नहीं है कि मोबाइल या लैपटॉप आज इनके उपयोगकर्ता में बड़ों से लेकर बच्चे भी शामिल हैं।

जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके इन डिजिटल उपकरणों के माध्यम से इंटरनेट तक पहुंच ही काफी नहीं है, समय के साथ चलने के लिए सोशल मीडिया पर उपलब्ध अनगिनत वेबसाइट्स, एप्स का कुशलतापूर्वक उपयोग करना भी आवश्यक है। कम समय में शीघ्र और विश्वसनीय सेवाएं प्रदान करने वाले इन गैजेट्स ने जहां एक ओर जीवन को अधिक सुगम और व्यवस्थित किया है वहीं दूसरी ओर डिजिटल डिवाइड या असमानता को भी जन्म दिया है। जिसमें एक वर्ग तो वह है जिसे इंटरनेट चालित विभिन्न तकनीकी का पूर्ण ज्ञान है और दूसरा जिसके पास आधुनिक डिवाइस तो है परंतु उनके समुचित उपयोग की पूर्ण जानकारी का अभाव है, यह डिजिटल असमानता व्यक्तिगत ही नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय दृष्टि से भी विचारणीय प्रश्न है। तकनीकी असमानता सुरक्षित समाज की विचारधारा पर अभिशाप की तरह साबित न हो इसलिये यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सम्पूर्ण साक्षरता की तरह डिजिटल साक्षरता भी अनिवार्य हो, तभी वर्ग भेद और बेरोजगारी जैसी सामाजिक और अर्थिक समस्याओं को दूर किया जा सक्त है। इसके लिए भावी पीढ़ी को मजबूत बनाने की दिशा में प्रारंभिक शैक्षणिक स्तर से ही प्रयास के साथ सरकार द्वारा राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन जैसे कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं परंतु नई पीढ़ी भी इस डिजिटल दुनिया में कदम से कदम मिलाकर चल स्वयं को गौरान्वित उर आत्मनिर्भर समझे इसके लिए भी प्रयास करने होंगे ताकि डिजिटल दुनिया किसी के लिए भी दिवा स्वप्न की तरह ना हो बल्कि वास्तविकता के धरातल पर तकनीकी प्रतिभा सम्पन्न हो।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में आर्थिक वैज्ञानिक और सामरिक रूप से संपन्नता साथ तकनीकी दृष्टि से भी सशक्त देश ही विकसित अर्थव्यवस्था का गौरव प्राप्त करते हैं। तकनीकी साक्षरता की अवधारणा को नई सदी के सूत्रपात के रूप में माना जाता है। कोविड के दौरान डिजिटल तकनिकी का शिक्षा,स्वास्थ सेवाएँ सभी में प्रभावी रूप से उपयोग किया गया।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आत्मनिर्भरता में आर्थिक चुनौतियों का समाधान

सुरेश सेठ

दुनियाभर में पर्यावरण प्रदूषण और असाधारण मौसम परिवर्तन ने गंभीर संकट पैदा कर दिया है। जब समृद्ध देशों से इस संकट का समाधान खोजने की अपील की गई, तो वे इससे पल्ला झाड़ते हुए नजर आए, और इनमें सबसे प्रमुख अमेरिका था। इसके अलावा, राष्ट्रपति ट्रंप ने 'अमेरिका अमेरिकियों के लिए' का नारा देते हुए, अवैध रूप से वहां रह रहे आप्रवासियों को उनके देशों में वापस भेजने की नीति अपनाई है। ये कदम अमेरिका की नीतियों का हिस्सा हैं, भले ही अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति के तहत मैत्रीपूर्ण संबंधों का दिखावा किया जा रहा हो। अमेरिका ने यह घोषणा की है कि वह अब अपने मूल्यवान आर्थिक संसाधनों को तीसरी दुनिया के देशों में क्यों लौटाए। वर्ष 1961 से अमेरिका एक आर्थिक सहायता कार्यक्रम चला रहा था, जिसके तहत पिछड़े देशों में मानवीय और आर्थिक संसाधनों का विकास किया जाता था, और लोकतंत्र की स्थापना की दिशा में काम किया जाता था।

इस कार्यक्रम के तहत अमेरिका सालाना करीब 496 करोड़ डॉलर खर्च करता था। भारत में लोकतंत्र को प्रोत्साहित करने और वोटरों को मतदान के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से अमेरिका प्रतिवर्ष एकमुश्त रकम खर्च करता था। हालांकि, डोनाल्ड ट्रम्प ने सत्ता संभालते ही इस सहायता को बंद कर दिया, यह मानते हुए कि हर देश को अपनी लोकतांत्रिक व्यवस्था को खुद मजबूत करना चाहिए। इतना ही नहीं, जब मोदी मैत्री वार्ता के लिए अमेरिका गए, तो वार्ता शुरू होने से पहले अमेरिका ने अपनी टैरिफ नीति घोषित कर दी, जिसका मूलमंत्र था 'जैसे को तैसा'। हाल ही में डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत के बारे में यह बयान दिया कि भारत के पास पर्याप्त धन है और वह टैक्स उगाहने में माहिर है, इसलिए अमेरिका भी अपने आयात में ऊंचे टैक्स लगाकर इसका प्रतिवाद करेगा। अमेरिका का आरोप है कि भारत ने उसके सामान पर उच्च टैक्स लगा रखा था, जबकि अमेरिका भारतीय आयात पर कम टैक्स लगाता था। फलत: ट्रम्प ने भारत पर भी टैरिफ बढ़ा दिए।

अर्थशास्त्री कहते हैं कि अगर अमेरिकी नीतियों से महंगाई बढ़ती है तो इससे भारत में मुद्रास्फीति पर नियंत्रण पाना मुश्किल हो जाएगा। इसके अलावा, यदि भारतीय निर्यात पर 20 प्रतिशत का टैरिफ लागू कर दिया जाता है, तो भारत की जीडीपी में गिरावट हो सकती है। यह स्थिति खासतौर पर

चिंताजनक है, क्योंकि भारत 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखता है। इसके लिए आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को अपनी जीडीपी में 8 प्रतिशत की विकास दर बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। पिछले वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही में भारत की विकास दर 7 प्रतिशत से घटकर पौने 6 प्रतिशत पर आ गई थी। हालांकि, भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) का अनुमान है कि भारत 7 प्रतिशत विकास दर हासिल करने में सक्षम रहेगा। लेकिन अब अमेरिकी हित संरक्षण की नीति सामने आ गई है, जिसमें ट्रम्प भारत के साथ 'जैसे को तैसा' नीति लागू करने की बात कर रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप, भारत के विभिन्न उद्योगों को नुकसान हो सकता है। यदि यह टैरिफ शुल्क लागू हो जाता है, तो भारतीय निर्यात क्षेत्र को बड़ा धक्का लगेगा। निर्यातकों को टैरिफ चुकाने के बाद उनकी लागत पूरी नहीं हो पाएगी, जिससे वे निर्यात बढ़ाने के प्रति कम उत्साहित हो सकते हैं। इस वर्ष के नए आंकड़े दर्शाते हैं कि हमारा निर्यात पिछले वर्ष की तुलना में कम हो गया है, जबकि आयात की मांग में कोई कमी नहीं आई। अब स्थिति यह बन गई है कि यदि अमेरिका से आने वाली वस्तुएं महंगी हो जाती हैं और हमारी मांग लगातार बनी रहती है, तो रुपये का मूल्य डॉलर के मुकाबले गिरता जाएगा। जिसका मतलब है कि आयातित वस्तुएं महंगी हो जाएंगी। यदि अमेरिका अपनी दरें बढ़ाकर इसे भारतीय टैरिफ के बराबर कर देता है, तो इससे भारत में आयातित वस्तुएं महंगी हो जाएंगी, जिससे मुद्रास्फीति को और बढ़ावा मिलेगा। सरकार को इस दिशा में गंभीरता से सोचना होगा। हालांकि, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और ट्रंप सरकार की मनमानी से शेयर बाजार को भारी नुकसान हुआ है। यह विदेशी निवेश की दृष्टि से एक निराशाजनक स्थिति है।

इस समय चुनौती यह है कि जो वस्तुएं हम अमेरिका से मंगवाते हैं, उनमें जीवनरक्षक दवाइयां, निर्माण कार्य में उपयोग होने वाले उपकरण और विद्युत उपकरण आदि शामिल हैं, जो भारतीय निवेशकों के लिए भी कई मायनों में महत्वपूर्ण हैं। यदि ये तमाम वस्तुएं महंगी हो जाती हैं, तो भारतीय निवेश पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, और निर्यात वस्तुओं का उत्पादन घटने की संभावना बढ़ जाएगी। इससे साफ है कि भारत के विकास दर को बनाए रखने का लक्ष्य मुश्किल हो जाएगा।

न्यायपालिका में पारदर्शिता की ओर पहलकदमी

डॉ. सुधीर कुमार

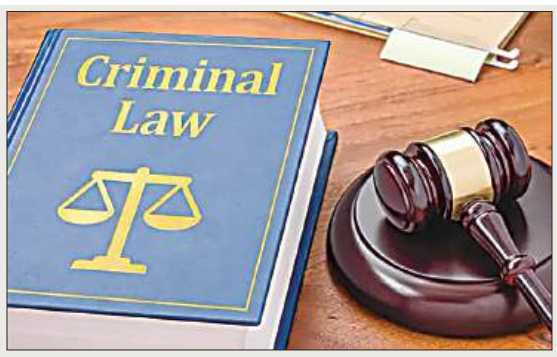

भारत की न्यायपालिका, जो न्याय और समानता की आधारशिला है, हमेशा से ही सुधारों की मांग करती रही है। लंबित मामलों का बोझ, ऊंच-नीच के आरोप और प्रक्रियात्मक जटिलताओं ने न्यायपालिका की दक्षता और पारदर्शिता पर सवाल खड़े किए हैं। अधिवक्ता संशोधन विधेयक 2025, भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित महत्वपूर्ण विधान है, जिसका उद्देश्य न्यायपालिका में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देना है। यह विधेयक अधिवक्ता अधिनियम 1961 में संशोधन करता है, जो भारत में कानूनी पेशे को नियंत्रित करता है। पहले, 1961 के अधिनियम के अनुसार, कोर्ट में वकालत करना ही कानूनी व्यवसाय माना जाता था। लेकिन, नए विधेयक में कानूनी व्यवसाय की परिभाषा को और बढ़ा दिया गया है।

अब, कानूनी व्यवसाय में कोर्ट में वकालत करने वालों के अलावा वे सभी लोग शामिल होंगे जो कानून से जुड़े अलग-अलग कामों में लगे हैं, जैसे कि कंपनियों के लिए कानूनी काम, कॉन्ट्रैक्ट बनाना और अंतर्राष्ट्रीय कानून से जुड़े काम। इस बदलाव से कानूनी पेशे का दायरा बढ़ गया, इसमें कई तरह के कानूनी काम शामिल हो गए हैं। इससे कानूनी सेवाओं की उपलब्धता बढ़ेगी और नागरिकों को विविध कानूनी मदद प्राप्त करने में आसानी होगी। वर्तमान में, बार काउंसिल ऑफ इंडिया यानी बीसीआई के सदस्य राज्य बार काउंसिल द्वारा चुने जाते हैं। लेकिन, अधिवक्ता संशोधन विधेयक 2025 की धारा 4 में संशोधन करके केंद्र सरकार को यह अधिकार मिल जाएगा कि वह बीसीआई में मौजूदा निर्वाचित सदस्यों के अलावा 3 सदस्यों को नामित कर सके। यह संशोधन सरकार को कानून के प्रावधान लागू करने में बीसीआई को निर्देश देने का अधिकार प्रदान करेगा। वर्तमान में, अपने मुवक्किल को धोखा देना पेशेवर कदाचार माना जाता है, जिसकी शिकायत बार काउंसिल ऑफ इंडिया से की जाती थी। हालांकि, अधिवक्ता संशोधन विधेयक 2025 की धारा 45बी के तहत, पेशेवर कदाचार के कारण यदि किसी व्यक्ति को नुकसान होता है, तो वह बीसीआई में शिकायत दर्ज करा सकता है।

इसके अतिरिक्त, यदि किसी हड़ताल के कारण किसी का नुकसान होता है, तो यह वकील का पेशेवर कदाचार माना जाएगा। यह संशोधन मुवक्किलों के अधिकारों को और अधिक सुरक्षित करता है। यह प्रावधान वकीलों को अपने कर्तव्यों के प्रति अधिक जवाबदेह बनाता है और उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित करता है कि वे अपने मुवक्किलों के हितों की रक्षा करें। अभी तक, एक वकील एक साथ कई बार एसोसिएशनों का सदस्य हो सकता था और उन सभी में चुनाव के दौरान वोट भी कर सकता था। लेकिन, नए विधेयक में धारा 33ए जोड़ी गई जिसके अनुसार, अदालतों, ट्रिब्यूनलों और प्राधिकरणों में वकालत करने वाले वकीलों को उस बार एसोसिएशन में पंजीकरण कराना होगा जहां वे वकालत करते हैं। यदि वे अपना स्थान बदलते हैं, तो 30 दिनों के भीतर बार एसोसिएशन को सूचित करना होगा। अब वकील एक से अधिक बार एसोसिएशन के सदस्य नहीं हो सकते और केवल एक बार एसो. में वोट कर सकते हैं।

मौजूदा व्यवस्था में, हड़ताल करना गैरकानूनी नहीं था, लेकिन पेशेवर कदाचार माना जाता था। हालांकि, नए विधेयक में धारा 35ए जोड़ी गई है, जो किसी वकील या वकील संगठन को अदालत के बहिष्कार का आह्वान करने, हड़ताल करने या काम रोकने से रोकती है। इस धारा का उल्लंघन वकालत पेशे का कदाचार माना जाएगा और अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकेगी। अधिवक्ता संशोधन विधेयक 2025 को लेकर वकीलों में कई चिंताएं हैं। उनका मानना है कि इसके कुछ प्रावधान उनके अधिकारों का हनन और न्याय व्यवस्था को कमजोर करते हैं। तर्क है कि धारा 35ए उन्हें अपनी बात रखने और समस्याएं उठाने के लिए हड़ताल-बहिष्कार जैसे महत्वपूर्ण हथियारों से वंचित करती है। वे इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता (अनुच्छेद 19) और जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता (अनुच्छेद 21) का उल्लंघन मानते हैं। उनका कहना है कि यह धारा उनकी आवाज दबाने जैसी है और अपने अधिकारों के लिए लड़ने से रोकती है। विधेयक की धारा 35 में वकीलों पर 3 लाख रुपये तक जुर्माना लगाने का प्रावधान है। वकीलों का मानना है, यह जुर्माना उन पर अनावश्यक दबाव डालेगा और उनकी स्वतंत्रता को प्रभावित करेगा। इसके अलावा, नए कानून के अनुसार, अगर किसी की शिकायत झूठी या बेकार साबित होती है, तो उस पर 50,000 रुपये तक जुर्माना लग सकता है।

लेकिन, यदि किसी वकील के खिलाफ झूठी शिकायत की जाती है, तो उसके लिए कोई सुरक्षा नहीं है। वकील इसे एकतरफा कानून मानते हैं और अपने साथ अन्याय बताते हैं। नये विधेयक की धारा 36 के तहत, बीसीआई को किसी भी वकील को तुरंत निलंबित करने का अधिकार है। वकीलों को डर है कि यह प्रावधान उनके खिलाफ दुरुपयोग को बढ़ावा दे सकता है। बिना उचित जांच किसी को निलंबित करना अन्यायपूर्ण है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया का मानना है कि नया विधेयक वकीलों की स्वतंत्रता और बीसीआई की स्वायत्तता पर प्रहार है। विधेयक के कुछ प्रावधान वकीलों के अधिकारों को कम करते हैं और उनकी स्वतंत्रता को खतरे में डालते हैं। यह विधेयक वकीलों को अपने कर्तव्यों के निर्वहन में मुश्किल पैदा करेगा। बीसीआई ने सरकार से इस विधेयक पर पुनर्विचार करने और वकीलों और बीसीआई के साथ चर्चा करने की मांग की है।

पीलिया का इन घरेलू उपायों से करें इलाज

पीलिया की बीमारी में खून में बिलाबीन के बढ़ जाने से त्वचा, नाखून और आंखों का सफेद भाग पीला नजर आने लगता है। पीलिया से पीड़ित मरीज का समय पर इलाज ना हो तो रोगी को बहुत नुकसान झेलना पड़ता है। यह एक सामान्य-सा दिखने वाला गंभीर रोग हैं। इस रोग में लिवर कमजोर होकर काम करना बंद कर देता है। प्रायः पीलिया होने पर लोग घबराने लगते हैं और पीलिया का इलाज करने के लिए एलोपैथिक के साथ-साथ अन्य कई तरह के उपाय करने लगते हैं। लेकिन पीलिया का घरेलू उपचार भी कर सकते हैं। पीलिया तब होता है, जब शरीर में बिलीरुबिन नामक पदार्थ बहुत अधिक हो जाता है। बिलीरुबिन की अत्यधिक मात्रा होने से लिवर पर बुरा प्रभाव पड़ता है, और इससे लिवर के काम करने की क्षमता कमजोर पड़ जाती हैं। बिलीरुबिन धीरे-धीरे पूरे शरीर में फैल जाता हैं जिससे व्यक्ति को पीलिया रोग हो जाता है।

हल्दी

हल्दी पीलिया रोग के उपचार के लिए बहुत अच्छी होती हैं। पीलिया होने पर आप एक चम्मच हल्दी को आधे गिलास पानी में मिला लें। इसे रोजाना दिन में तीन बार पिएं। इससे शरीर में मौजूद सभी विषाक्त पदार्थ मर जाएंगे। यह नुस्खा बिलीरुबिन को शरीर से बाहर करने में भी बहुत मदद करता है। पीलिया के इलाज के लिए बहुत ही आसान नुस्खा हैं। जिससे शरीर के खून की सफाई भी हो जाती हैं।

टमाटर

टमाटर लाइकोपीन का एक भरपूर स्रोत है। सुबह खाली पेट टमाटर का रस लेने से लिवर स्वस्थ होता है। टमाटर को नरम बनाने के लिए पानी में कुछ टमाटर उबालें। अच्छे से उबल जाने के बाद टमाटर की छाल को अगल निकाल लें। टमाटर के अंदर के हिस्से को एक बर्तन में निकालें। इसे अच्छे से मिलाकर पी जाएं।

धनिया के बीज

धनिया के बीजों को 7-8 घण्टे भिगो कर रखें। इस पानी का सेवन करें। धनिया पानी हरी सब्जी, रोटी बनाने में इस्तेमाल करें। धनिया पानी पीलिया रोग को सुधारने करने में सहायक है।

छाछ और मट्ठा

पीलिया रोग में रोज सुबह-शाम 1-1 गिलास छाछ या मट्ठा में सेंधा नमक मिलाकर पिएं। छाछ, सेंधा नमक पीलिया जल्दी ठीक करने में सहायक है।

नारियल का पानी

पीलिया रोग में नारियल पानी पीना फायदेमंद होता है। पीलिया में नारियल पानी का सेवन लीवर को स्वस्थ करता है, और पाचनतंत्र ठीक करता है। नारियल पानी तन और मन को चिल करता है। कोकोनट वॉटर एक नेचुरल ड्रिंक है और इसमे कई मल्टी न्यूट्रिएंट्स होते हैं जो शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स बढ़ाने के साथ-साथ पानी और शरीर में कुछ न्यूट्रिएंट्स की कमी को भी पूरा करता है। ग्लोइंग स्किन से लेकर बॉडी डिटॉक्स करने तक के लिए ये फायेमंद है। इसमें मौजूद विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर की इम्यूनिटी मजबूत करने में मदद करते हैं। नारियल पानी का सेवन वायरल इंफेक्शन से लड़ने की क्षमता को बढ़ाता है और शरीर के अंदर सूजन को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा यह हाइड्रेशन बनाए रखने में मदद करता है, जो इम्यून फंक्शन के लिए जरूरी है।

गन्ने का रस

गन्ने का रस पीलिया में अत्यंत लाभकारी होता हैं। अगर दिन में तीन से चार बार सिर्फ गन्ने का रस पिया जाए तो इससे बहुत ही लाभ होता हैं। अगर रोगी सतू खाकर गन्ने का रस सेवन किया जाय तो सप्ताह भर में ही पीलिया ठीक हो जाता है। अगर गेहूं के दाने के बराबर सफेद चूना गन्ने के रस में मिलाकर सेवन किया जाय तो भी जल्द से जल्द पीलिया दूर हो जाता है।

हंसना मना है

शादी की सालगिरह पर पत्नी को गुलाब देते हुए पति बोला, सालगिरह मुबारक हो! पत्नी- यह नहीं मुझे कोई सोने की चीज चाहिए। पति- ओ, यह लो तकिया और आराम से सो जाओ।

टीचर- बस के ड्राइवर और कंडक्टर में क्या फर्क है? स्टूडेंट- कंडक्टर सोया तो किसिका टिकट नहीं कटेगा, ड्राइवर सोया तो, सबका टिकट कट जायेगा।

लड़का- डिअर मेरी आंखों में देखो, तुम्हें क्या दिख रहा है? मुझे जल्दी से बताओ!' लड़की -'सच्चा प्यार' लड़का -'oye! सच्चा प्यार की बच्ची कचरा गया है जल्दी फूंक मार।

आपने कभी सोचा है, की पति और चाय की पत्ती में क्या समानता है? दोनों के नसीब में जलना और उबालना लिखा है और वो भी औरतों के हाथ से।

बच्चा मेडीकल वाले से- अंकल, गोरा करने वाली कोई क्रीम है? मेडिकल वाला - हां है.. शरारती बच्चा- तो लगाता क्यों नहीं? रोज तेरा मुंह देखकर डर जाता हूं!

डॉक्टर- पप्पू अब तुम्हारी पत्नी कैसी है? पप्पू- अब काफी सुधार है उसकी तबियत में, आज सुबह तो थोड़ी बहुत लड़ाई भी की उसने।

कहानी | महाकपि का बलिदान

हिमालय के जंगल में कई पेड़-पौधे अनोखे हैं। इन पर लगने वाले फल और फूल सबसे अलग होते हैं। ऐसा ही एक पेड़ नदी किनारे था, जिस पर सारे बंदर अपने राजा के साथ रहा करते थे। बंदरों के राजा का महाकपि बहुत ही समझदार और ज्ञानवान था। महाकपि का आदेश था कि उस पेड़ पर कभी कोई फल न छोड़ा जाए। जैसे ही फल पकने को होता, वैसे ही वानर उसे खा लेते थे। महाकपि का मानना था कि अगर कोई पका फल टूटकर नदी के रास्ते किसी मनुष्य तक पहुंचा, तो ये उनके लिए बहुत हानिकारक हो सकता है। लेकिन एक दिन एक पका फल नदी में जा गिरा, वह फल नदी में बहकर एक जगह पहुंच गया, जहां एक राजा अपनी रानियों के साथ घूम रहा था। फल की खुशबू इतनी अच्छी थी कि रानियों सहित राजा भी इस खुशबू पर मोहित हो गया। राजा को नदी में बहता हुआ फल दिखाई दिया। राजा ने उसे उठाकर अपने सिपाहियों को दिया और कहा कि कोई इसे खाकर देखे कि यह फल कैसा है। एक सिपाही ने उस फल को खाया और कहा कि ये तो बहुत मीठा है। इसके बाद राजा ने भी उस फल को खाया और आनंदित हो उठा। उसने अपने सिपाहियों को उस पेड़ को खोज निकालने का आदेश दिया, काफी मेहनत के बाद राजा के सिपाहियों ने पेड़ को खोज निकाला। उस पर बहुत सारे वानर बैठे हुए थे। सिपाहियों को ये बात पसंद नहीं आई और उन्होंने वानरों को एक-एक करके मारना शुरू कर दिया। वानरों को घायल देखकर महाकपि ने एक बांस का डंडा पेड़ और पहाड़ी के बीच पुल की तरह लगा दिया। महाकपि ने सभी वानरों को उस पेड़ को छोड़कर पहाड़ी की दूसरी तरफ जाने का आदेश दिया। वानर बांस के सहारे पहाड़ी के दूसरी ओर पहुंच गए, लेकिन इस दौरान डरे-सहमे बंदरों ने महाकपि को बुरी तरह से कुचल दिया। सिपाहियों ने तुरंत राजा के पास जाकर सारी बात बताई। राजा, महाकपि की वीरता से बहुत प्रसन्न हुए और सिपाहियों को आदेश दिया कि महाकपि को तुरंत महल लेकर आएं और उसका इलाज करवाएं। लेकिन जब महाकपि को महल लाया गया, तब तक वह मर चुका था।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। धर्नाजन होगा, जोखिम न लें। पारिवारिक सुख प्राप्त होगा।

वृषभ

विवाद से क्लेश होगा। दुःखद समाचार मिल सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। वस्तुएं संभालकर रखें। सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी आ सकती है।

मिथुन

प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। मनोरंजक यात्रा होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। उच्च और बौद्धिक वर्ग में विशेष सम्मान मिलने की संभावना है।

कर्क

घर में अतिथियों का आवागमन होगा। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापारिक उन्नति होगी। अपना व्यवहार संयमित रखकर काम करना जरूरी है।

सिंह

यात्रा मनोरंजक रहेगी। वरिष्ठ जन सहयोग करेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। धनलाभ के अवसर आएंगे। पूंजी निवेश लाभकारी रहेगा।

कन्या

आज के दिन घर में अशांति रह सकती है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। तनाव रहेगा। जल्दबाजी न करें। नौकरी, व्यवसाय में इच्छित वातावरण तैयार होगा।

तुला

वाणी पर नियंत्रण रखें। जल्दबाजी न करें। बकाया वसूली होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। धनार्जन होगा। आलस्य को त्यागकर प्रत्येक काम समय पर करें।

वृश्चिक

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। पिता का स्वास्थ्य संतोष देगा। आजीविका में प्रगति होगी। शत्रु भय रहेगा।

धनु

आज देव दर्शन का लाभ प्राप्त हो सकता है। धार्मिक सत्संग का लाभ मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। बाहरी सहयता मिलेगी। रुके कार्य बनेंगे। सुखद यात्रा के योग बनेंगे।

मकर

आपके कार्यों की परिवार एवं समाज में प्रशंसा होगी। संतान की मदद से आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यापार में नए अनुबंधों से लाभ होगा। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है।

कुम्भ

अविवाहितों को वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। वरिष्ठजन सहयोग करेंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। अपनी स्थिति, योग्यता के अनुरूप कार्य कर पाएँगे। कुसंगति से बचें।

मीन

आज आपको घर-परिवार की चिंता रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बाहरी सहायता प्राप्त होगी। परिवार में सहयोग का वातावरण रहेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

निर्देशकों से काम मांगने में मैं कभी झिझकती नहीं हूं: शबाना

हाल ही में दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी की वेब सीरीज 'डब्बा कार्टेल' रिलीज हुई। इस सीरीज में उनके अलावा अंजलि आनंद, ज्योतिका और शालिनी पांडे ने भी अहम भूमिका निभाई है। सीरीज में अभिनेत्री के अभिनय की सराहना हो रही है। इस बीच शबाना आजमी ने एक इंटरव्यू में अपने अनुभवों को साझा किया। साथ ही उन्होंने खुद को लालची अभिनेत्री भी बताया। आइए जानते हैं उन्होंने ऐसा क्यों कहा? शबाना आजमी ने हाल ही में बॉलीवुड बबल से बातचीत में अपने पेशे की वास्तविकता के बारे में खुलकर बात की। इस दौरान पुरुष और महिला कलाकारों के वेतन में अंतर और खुद के फेम को मैनेज करने पर भी उन्होंने बेझिझक अपनी राय रखी। शबाना ने बिना किसी हिचक के साझा किया कि वह एक लालची अभिनेत्री हैं, जो निर्देशकों से काम मांगने में संकोच नहीं करती हैं। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, निश्चित रूप से, मुझे किसी निर्देशक से संपर्क करने और यह कहने में कोई हिचकिचाहट नहीं है, आप मुझे कब कास्ट करेंगे? आप मुझे क्यों नहीं कास्ट करेंगे? यदि आप नहीं करते हैं, तो मैं आपके घर के बाहर धरना करूंगी। मैं तब तक धरना दूंगी जब तक कि वह तंग आकर यह ना कहें, ठीक है, चलो इसे कास्ट करते हैं। मुझे कोई समस्या नहीं है मुझे इतना आत्मविश्वास है। इस दौरान उन्होंने एक घटना को भी याद किया जब अनु मलिक ने एक प्रोजेक्ट पर सहयोग करने के लिए उमेश मेहरा का पीछा किया था। उन्होंने काम मांगने में अपना आत्मविश्वास दिखाने के लिए यह कहानी शेयर की, जिसमें उन्होंने कहा कि उन्हें भूमिकाओं के लिए निर्देशकों से संपर्क करने में कोई संदेह नहीं है।

सामाजिक और राजनीतिक उलझनों से फिर लड़ने आ रही 'महारानी'

हाल ही में 'महारानी' सीरीज के चौथे सीजन का टीजर रिलीज किया गया है, जिसमें हुमा कुरैशी सामाजिक और राजनीतिक उलझनों से लड़ती नजर आएंगी। महारानी के इस सीजन को दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव के यूट्यूब पर महारानी के चौथे सीजन का टीजर रिलीज किया गया है और हुमा ने भी अपने इंस्टाग्राम पर भी शेयर किया है। 50 सेकेंड के इसके टीजर में हुमा कुरैशी रानी भारती के किरदार में दिखने वाली हैं, जो बिहार की प्रधानमंत्री हैं। इसके टीजर में हुमा बिहार को अपना परिवार बता रही हैं और कह रही हैं अगर किसी ने उनके परिवार को नुकसान पहुंचाया तो वह उसकी सत्ता हिलाकर रख देंगी। साथ ही इसमें हुमा को चुनौतियों से लड़ते हुए दिखाया गया है। महारानी सीरीज का चौथा सीजन सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियों से भरा नजर आ रहा है।

महारानी वेब सीरीज के चौथे सीजन का टीजर रिलीज कर दिया गया है। इससे फैंस की बेसब्री सीरीज को लेकर और बढ़ चुकी है। हालांकि, अभी तक सीरीज के रिलीज डेट को लेकर कोई आधिकारिक सूचना नहीं आई है।

महारानी सीरीज 2021 में सोनी लिव पर शुरू हुई थी। इस शो में हुमा कुरैशी ने रानी भारती का किरदार निभाया था, जो एक साधारण और अनपढ़ गृहिणी थी। वह अचानक अपने पति भीमा (सोहम शाह) के चोटिल होने के बाद बिहार की मुख्यमंत्री बन जाती है। फिर इसी के आधार कहानी को आगे बढ़ाया जाता है। इस सीरीज का दूसरा सीजन जुलाई 2022 में आया, वहीं तीसरा सीजन पिछले साल मार्च में आया था। पुनीत प्रकाश के निर्देशन में बनी महारानी का चौथा सीजन जल्द ही दर्शकों के बीच में आने वाला है।

फिल्म अल्फा में सुपर एजेंट की भूमिका में दिखेंगी आलिया भट्ट

आलिया भट्ट वाईआरएफ की स्पाईवर्स की पहली महिला प्रधान फिल्म अल्फा में नजर आएंगी। आलिया के साथ अभिनेत्री शरवरी वाघ भी नजर आएंगी। दोनों कलाकार अपनी भूमिकाओं में पूरी तरह से फिट होने के लिए अपने वर्कआउट सेशन में कड़ी मेहनत कर रहे हैं। घोषणा के बाद से निर्माताओं ने फिल्म के बारे में बहुत कम अपडेट ही प्रशंसकों के साथ साझा किए हैं। वहीं, अब आलिया ने पहली बार अपने किरदार के बारे में बात की। आलिया ने हाल ही में अपने प्रशंसकों के लिए एक मीट-एंड-ग्रीट सेशन आयोजित किया, जहां उन्होंने उन्हें अल्फा के बारे में बताया। एक इंटरैक्टिव सेशन के दौरान एक प्रशंसक ने आलिया से पूछा कि वह किस किरदार को एक दिन के लिए जीना पसंद करेंगी। बिना ज्यादा सोचे-समझे उन्होंने तुरंत जवाब दिया, सबसे अच्छा हमेशा अगला होता है। इस जवाब के साथ आलिया ने अपनी अगली फिल्म अल्फा में उनकी बहुप्रतीक्षित भूमिका की ओर इशारा किया।

रिपोर्ट के अनुसार, आलिया ने अपने किरदार के लिए कड़ी ट्रेनिंग ली है। आलिया ने बीते साल 5 जुलाई को अल्फा की शूटिंग शुरू कर दी थी। फिल्म में उन्हें पहले कभी नहीं देखे गए अवतार में दिखाया जाएगा। सुपर एजेंट की भूमिका निभाने के लिए उन्होंने खुद को तैयार करने के लिए लगभग चार महीने तक ट्रेनिंग ली है। फिल्म में उनके पांच से छह एक्शन सीक्वेंस हैं और उन्हें सबसे फिट रहने की जरूरत है।

आलिया और शरवरी ने एक पोस्ट के साथ 2024 में अल्फा की घोषणा की थी। बैकग्राउंड ऑडियो में आलिया कह रही थीं, ग्रीक वर्णमाला का सबसे पहला अक्षर और हमारे प्रोग्राम का आदर्श वाक्य.. सबसे पहले, सबसे तेज, सबसे वीर। ध्यान से देखो तो हर शहर में एक जंगल है और जंगल में हमेशा राज करेगा..अल्फा। फिल्म का निर्देशन शिव रवैल ने किया है। फिल्म की ज्यादातर शूटिंग कश्मीर में हुई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ऋतिक रोशन और बॉबी देओल फिल्म में अहम भूमिका निभाएंगे।

अजब-गजब | इस गांव में लोग सोशल मीडिया से हैं वंचित

अपने गांव का नाम बताने में शर्माते हैं यहां के लोग, इन्हें फेसबुक भी कर देता है ब्लाक

हम दुनिया के किसी भी कोने में चले जाएं, हमें अपनी मातृभूमि पर गर्व होता ही है। आखिर हमारी पहचान उस जगह से होती है, जहां हम पैदा होते हैं। आज हम आपको जिस जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, उनके लिए गांव का नाम गर्व का नहीं बल्कि शर्मसार होने की वजह बना हुआ है। उनका बड़ा दुख तो ये है कि अच्छे या बुरे में, वो अपना नाम सोशल मीडिया पर देख ही नहीं सकते।

नाम किसी जगह का कुछ भी हो सकता है। जलेबी और बंदरपुर से लेकर खटोला, खटिया, खजूरपुर वगैरह-वगैरह। हालांकि इन नामों को बताने में भी लोग उतने संकोच नहीं करते, जितना स्वीडन में मौजूद एक गांव का नाम बताने में वहां के लोग करते हैं। उन्हें डर इस बात का रहता है कि कहीं अपने गांव का नाम लिखने के बाद उन्हें फेसबुक ब्लॉक न कर दे। अब जगह का इतिहास भले ही गौरवशाली रहा हो लेकिन नाम तो बिल्कुल नहीं है। डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक ये गांव पुराना है और काफी व्यवस्थित भी। यहां रहने वाले लोगों को न तो यहां के मौसम या व्यवस्था से ही कोई तकलीफ है, लेकिन उनकी दिक्कत है सिर्फ इस गांव का नाम। वे चाहते हैं कि गांव का नाम किसी तरह

बदल दिया जाए, ताकि वे किसी तरह सोशल मीडिया सेंसरशिप से बच जाएं। दरअसल ग्रामीण जब भी अपने घर का पता या व्यापार का विज्ञापन फेसबुक या किसी और सोशल मीडिया पर डालते हैं, तो इसे अश्लील कंटेंट मानकर हटा दिया जाता है। गांववाले चाहकर भी अपने गांव का नाम सोशल मीडिया पर नहीं लिख देते हैं। जिस गांव की हम बात कर रहे हैं, उसका नाम 'Fucke' है। आपको इस नाम के साइन बोर्ड इंटरनेट पर कई तस्वीरों में मिल जाएंगे, लेकिन यहां रहने वाले लोग इस टैग से परेशान हैं। इस गांव का नाम 1547 ईसवी में रखा गया था और ये ऐतिहासिक है। यही वजह है कि स्वीडन के नेशनल लैंड सर्वे डिपार्टमेंट को भी गांव का नाम बदलने में खासी दिक्कत हो रही है। दिलचस्प है कि गांव में सिर्फ 11 घर हैं और यहां रहने वाले लोग गांव का नाम बताने में शर्म से सिर झुका लेते हैं।

ये है दुनिया का सबसे महंगा गुलाब कीमत जानकर उड़ जाएंगे होश!

गुलाब दुनिया के सबसे सुंदर फूलों में से एक माना जाता है। इससे सुंदरता और प्रेम का प्रतीक यूं हीं नहीं माना जाता है। लेकिन सुंदरता के अलावा इसकी खुशबू भी इसे खास बनाती है। अक्सर कई गुलाब के फूल बहुत ही कीमती हो जाते हैं। इनकी बढ़ती कीमत की वजह इनकी सुंदरता के अलावा इनके उगाने की दुर्लभता और खुशबू भी मानी जाती है लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया का सबसे महंगा फूल गुलाब का ही एक फूल माना जाता है। उसका नाम भी कुछ रोमांटिक ही है। जूलियट रोज। उस एक फूल की कीमत करोड़ों तक पहुंच गई थी।

इंटरनेट पर सबसे मंहगे फूलों और सबसे महंगे गुलाबों की सूची में यह नाम जरूर मिल जाएगा। जूलियट रोज नाम का यह गुलाब बहुत ही मुश्किल से उगा था। और सुंदर और खुशबूदार होने के अलावा इसकी दुर्लभता ने ही इसे कीमती बना दिया था। इसे गुलाब को तैयार करने में करीब 30 लाख डॉलर खर्च हुए थे।

इस गुलाब को डेविड ऑस्टिन नाम के शख्स ने कई गुलाबों से मिला कर बनाया था। इसे उगने में करीब 15 साल का समय लगा था। आज भले ही 4-6 हफ्ते में उग जाता है। लेकिन अब भी यह खास तरह के हालात और खास देखभाल से ही पनप पाता है। यह देखने में तो बहुत ही सुंदर तो है ही। इसके मीठी, फलदार खुशबू इसे और भी खास बना देती है। इस गुलाब को देख कर आपको भले ही इसकी बहुत ज्यादा कीमत पर यकीन ना हो, पर इसकी बेमिसाल खूबसूरती आपका मन मोहे बिना नहीं रहेगी। पीच कलर की इसकी पंखुड़ियां बहुत ही बेहतरीन किस्म का कॉम्बिनेशन बनाती दिखती हैं। जिसमें किनारे पर सफेद रंग और बीच में पीच कलर ज्यादा खिलता दिखता है।

जूलियट रोज की कीमत के अलगअलग आंकलन हुए हैं। साल 2006 में एक प्रदर्शनी में बिका यह रोज दुनिया का सबसे महंगा रोज हो गया था, और यह रिकॉर्ड आज तक कायम है। बताया जाता है कि उस समय उसकी कीमत 15.8 मिलियन डॉलर थी। जो करीब आज की कीमतों में अरब 15 करोड़ 30 लाख रुपये थी। लेकिन यह फूल आज भी इतिहास मे सबसे महंगे फूल के रूप में दर्ज है।

दलितों पर सबसे ज्यादा यूपी में अत्याचार : तनुज पुनिया

» कांग्रेसी सांसद ने दलित समाज को प्रताड़ित करने का सरकार पर लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाराबंकी। बाराबंकी से कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर योगी सरकार पर गंभीर आरोप लगाये हैं। उनहोंने कहा है कि उत्तर प्रदेश में हमारे दलित समाज को प्रताड़ित किया जा रहा है दलित को दबाया जा रहा है। तनुज पुनिया ने एनसीआरबी की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा है कि उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा दलितों के ऊपर अत्याचार हो रहा है। प्रदेश में कई जिलों में दलित बच्चियों की बारात को रोका गया।

यह अत्यंत चिंताजनक बात है। उन्होंने कहा कि जैसा पहले होता था उसी तरह आज दलित दुल्हे को घोड़े पर चढ़ने नहीं दिया जा रहा है। तनुज पुनिया यही नहीं रूके उन्होंने इसके आगे कहा कि आज दुष्कर्म की घटनाएं पहले से ज्यादा देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार दलितों को दबा रही है और उन्हें नौकरी से वंचित रख रही है। दलितों और पिछड़ों को सरकार में नौकरी नहीं दी जा रही है। तनुज पुनिया ने साफ अल्फाजों में कहा कि योगी सरकार दलित विरोधी है।

दुष्कर्म और हत्या जैसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं

तनुज पुनिया ने कहा कि मथुरा, बिजनौर, मेरठ में अनुसूचित जाति के लोगो पर लगातार अत्याचार किया जा रहा है। मेरठ में जो बारात पर हमला हुआ उसमे अपराधी बीजेपी का झंडा लगी गाड़ी से आए थे। अनुसूचित जाति के लोग सम्मान न पाए उनके खिलाफ लगातार अपराध हो रहे ये सरकार इस वर्ग को अशिक्षित और दबे कुचले रखना चाहती है। तनुज पुनिया ने जातिगत जनगणना कराये जाने की मांग की है।

कांग्रेस लड़ेगी दलितों की लड़ाई

कांग्रेसी सांसद ने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में हम इस लड़ाई को लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि हम हर हाल में सरकार को हटाने का काम करेंगे। पुलिस आज सरकार के इशारे पर काम कर रही है। एनसीआरबी की रिपोर्ट को सरकार छुपा रही है। जहां भी दलितों के साथ घटनाएं घट रही है वहां कांग्रेस का डेलिगेशन जा रहा है मैं भी जाऊंगा। उन्होंने कहा कि पीड़ितों की मदद के लिए तमाम कार्य हमारे डेलिगेशन द्वार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दलितों पर अत्याचार की खबरें मीडिया और अखबार द्वारा खबरें सामने आ रही है। उन्होंने बताया कि एनसीआरबी की रिपोर्ट नहीं आ रही है।

राहुल ने बताया कुलियों का दर्द, कहा-

भगदड़ में जान बचाने वालों की आवाज नहीं सुनी जा रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने बुधवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर कुलियों से हुई मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया। उन्होंने कहा कि पिछले महीने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ के दौरान कुलियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की मदद की, लेकिन उनकी आवाज सुनने वाला कोई नहीं है। वे आर्थिक समस्या से जूझ रहे हैं। हम उनके अधिकारों के लिए लड़ेंगे। एक चैनल पर कुलियों से बातचीत का वीडियो साझा करते हुए राहुल ने कहा कि कुछ दिन पहले मैं नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचा और वहां कुली भाइयों से मिला।

उन्होंने मुझे बताया कि कैसे सभी ने मिलकर भगदड़ वाले दिन लोगों की जान बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया। राहुल गांधी ने कहा कि चाहे लोगों को भीड़ से निकालने की बात हो या घायलों को एंबुलेंस और प्रशासन तक पहुंचाना हो। मृतकों के शवों को बाहर निकालने के लिए शारीरिक क्षमता, ठेले का उपयोग करना हो या अपनी जेब से पैसा खर्च करना हो, उन्होंने हर तरह से यात्रियों की मदद की। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि मैं दिहाड़ी मजदूरी करने आने वाले इन भाइयों की संवेदना देखकर प्रभावित हूं। वे वित्तीय कठिनाइयों में जी रहे हैं, लेकिन उनमें जोश और सद्भावना की कमी नहीं है। उन्हें मदद की जरूरत है। उन्होंने अपनी मांगें बताई हैं। मैं निश्चित रूप से उनकी मदद के लिए हर संभव प्रयास करूंगा।

पूर्व सीएम राबड़ी के जवाब पर सदन में लगे ठहाके

» बोलीं- अध्यक्ष जी हमें भाजपाई बोलते हैं दीदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसकी धमक विधानमंडल के चालू बजट सत्र में भी देखने को मिल रही है, जहां विभिन्न मुद्दों को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष में जमकर नोकझोंक हो रही है। इसी बीच, विधान परिषद में बुधवार को माहौल हल्का हुआ, जब पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के एक जवाब में जमकर ठहाके लगने लगे। दरअसल, बिहार विधान परिषद की कार्यवाही शुरू होते ही नेता विरोधी दल राबड़ी देवी ने नए मंत्रियों को शुभकामनाएं और बधाई दी। उन्होंने इस क्रम में भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल को भी बधाई दी और उन्हें भाई बताया।

उन्होंने कहा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल हमें दीदी बोलते हैं, हम उनको भैया मानते हैं। उनको भी हृदय से बधाई और शुभकामना देते हैं। पार्टी की तरफ से भी और लालू यादव की तरफ से भी। इस दौरान सभापति अवधेश नारायण सिंह ने राबड़ी देवी से सवाल किया कि दिलीप जायसवाल को आप भाई मानती हैं? इस पर राबड़ी देवी ने हां में जवाब दिया।

फिर रिश्ते में क्या लगे?

इसके बाद सभापति ने कहा कि तब लालू यादव के रिश्ते में दिलीप जायसवाल क्या लगेंगे? इस सवाल को सुनते ही सदन के अंदर मौजूद सदस्य जमकर ठहाके लगाने लगे। इस दौरान राबड़ी देवी ने कहा कि अब वे क्या लगेंगे, वे जाने। उन्होंने मिठाई खिलाने को लेकर भी भाजपा अध्यक्ष को नसीहत दी। बिहार विधानमंडल का बजट सत्र जारी है। इस सत्र में विपक्ष का जमकर हंगामा देखने को मिल रहा है। मंगलवार को जहां मुख्यमंत्री भी विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के टोका-टोकी के बाद भड़क गए।

महाराष्ट्र सपा प्रमुख पूरे बजट सत्र से निलंबित

» सीएम फडणवीस ने अबू आजमी को जेल भेजने की कही बात

» विधायक के बयान पर विस और विधान परिषद में हुआ जमकर हंगामा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

महाराष्ट्र। समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र प्रमुख और विधायक अबू आजमी को मुगल बादशाह औरंगजेब की तारीफ करना भारी पड़ गया है। उन्हें औरंगजेब की प्रशंसा करने पर महाराष्ट्र विधानसभा के बजट सत्र से निलंबित कर दिया गया है। इस मामले पर आज महाराष्ट्र की विधानसभा और विधानपरिषद में जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्पष्ट कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, औरंगजेब की तारीफ करने वाले को 100 फीसदी जेल भेजा जाएगा। इस मामले में अबू आजमी के खिलाफ मुंबई पुलिस ने एफआईआर भी दर्ज की है।

शिंदे ने विधायक को बताया देश द्रोही

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राज्य विधानसभा में अबू आजमी को देशद्रोही तक कह दिया था और कड़ी कार्रवाई की मांग की थी। सत्तापक्ष के नेता सपा विधायक के खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज करने की मांग पर अड़े हुए हैं। वहीं औरंगजेब पर दिए गए बयान को लेकर विपक्ष ने भी आजमी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। बाद में पत्रकारों से बात करते हुए अबू आजमी ने अपने औरंगजेब वाले बयान पर कहा मैंने कोई बयान अपनी मर्जी से नहीं दिया। मुझ से किसी रिपोर्टर ने पूछा कि असम के मुख्यमंत्री, राहुल गांधी की तुलना औरंगजेब से कर रहे हैं। मैंने वही कहा जो हमारे इतिहासकारों ने लिखा और बोला है। मैंने उनके नाम बताए हैं।

सपा विधायक ने दी सफाई

विवाद बढ़ता देख सपा नेता ने अपना बयान वापस ले लिया है, लेकिन इसके बावजूद उनकी मुश्किलें कम नहीं हो रही है। उनके मुंबई के कोलाबा स्थित घर के बाहर पुलिस सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अपने बयान पर विवाद बढ़ता देख सपा विधायक अबू आजमी ने सफाई दी। उन्होंने वीडियो जारी कर कहा, मेरे शब्दों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया जा रहा है। औरंगजेब रहमतुल्लाह अलेह के बारे में मैंने वही कहा है जो इतिहासकारों और लेखकों ने कहा है। मैंने छत्रपति शिवाजी महाराज, संभाजी महाराज या अन्य किसी भी महापुरुषों के बारे में कोई अपमानजनक टिप्पणी नहीं की है, लेकिन फिर भी मेरी इस बात से कोई आहत हुआ है तो मैं अपने शब्द, अपना बयान वापस लेता हूं।

विशेष ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेल 7 मार्च से

» खेल मंत्री मनसुख मांडविया करेंगे इटली के लिए टीमों को विदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में विशेष ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेलों के लिए 49 सदस्यीय भारतीय टीम के आधिकारिक विदाई समारोह में शामिल होंगे। विशेष ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेल 7 से 17 मार्च तक इटली के ट्यूरिन में आयोजित किए जाने हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के तहत केंद्रीय खेल मंत्रालय ने दिव्यांग एथलीटों को समर्थन देने पर जोर दिया है। इस संबंध में, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने इन एथलीटों के लिए विभिन्न भारतीय शहरों - चंडीगढ़, नारकंडा, नई दिल्ली, ग्वालियर, नोएडा और गुड़गांव में 11 राष्ट्रीय कोचिंग शिविर आयोजित किए, ताकि उन्हें विश्व शीतकालीन खेलों के लिए अच्छी तरह से तैयार होने में मदद मिल सके। इसके अतिरिक्त, साई ने प्रशिक्षण और प्रतियोगिता के लिए उपकरण सहायता प्रदान की। खेल मंत्रालय ने मंगलवार को एक विज्ञप्ति में बताया कि विश्व शीतकालीन खेलों में भारतीय दल की भागीदारी के लिए हवाई किराया, बोर्डिंग और लॉजिंग के लिए भी धन स्वीकृत किया गया है।

भारतीय दल है सबसे बड़ा दल

भारतीय टीम में 30 एथलीट, तीन अधिकारी और कोच सहित 16 सहायक कर्मचारी शामिल हैं, जो सबसे बड़ा दल है। विशेष एथलीट छह खेलों - अल्पाइन स्कीइंग, क्रॉस कंट्री स्कीइंग, फ्लोरबॉल, शॉर्ट स्पीड स्केटिंग, स्नोबोर्डिंग और स्नो शूइंग में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

कोहली सबसे महान वनडे क्रिकेटर: क्लार्क

विराट कोहली ने एक बार फिर भारत के लिए शानदार जीत की नींव रखी, जिसमें उन्होंने दुबई में असहज परिस्थितियों में अपनी टीम को चार विकेट से जीत दिलाई, ऑस्ट्रेलिया के महान खिलाड़ी माइकल क्लार्क ने उनके शानदार प्रदर्शन की सराहना की और उन्हें अब तक का सबसे महान वनडे क्रिकेटर करार दिया। कोहली आईसीसी नॉकआउट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करने के लिए क्रीज पर उतरे और शानदार स्ट्रोक प्ले और बुद्धिमानी से स्ट्राइक रोटेशन के साथ जीत के अंतर को कम किया, अंत में उनके नाम केवल पांच चौके थे, जिससे मुश्किल सतह पर रन बनाने की उनकी क्षमता का पता चलता है। क्लार्क ने कहा, एक बार फिर, उन्होंने परिस्थितियों का शानदार ढंग से आकलन किया। उन्हें पता था कि उनकी टीम को क्या चाहिए और उन्हें मैच जीतने की स्थिति में कैसे लाना है। हमने पाकिस्तान के खिलाफ उनके शतक में भी यही देखा। विराट के पास हर शॉट है - बाउंड्री लगाने की उनकी क्षमता पर कोई सवाल नहीं है।

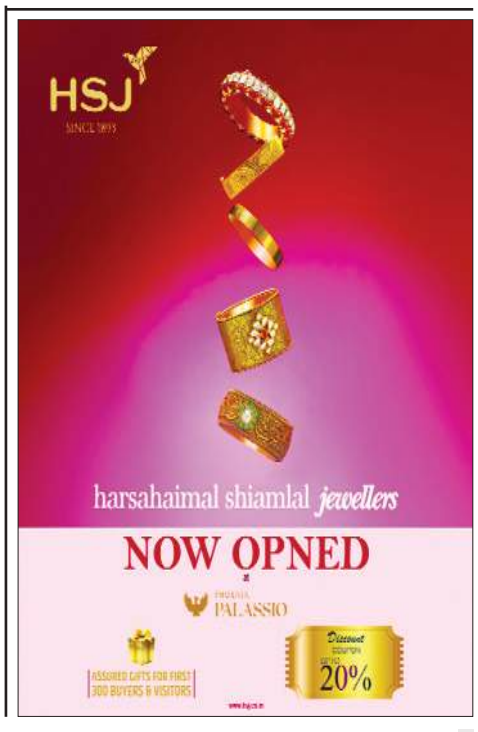

भतीजे के बाद भाई पर गिराई गाज

मायावती ने भाई आंनद कुमार को हटाकर बेनीवाल को बनाया नेशनल कोऑर्डिनेटर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने भाई आनंद कुमार की जगह नया नेशनल कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया है। मायावती ने रणधीर बेनीवाल को नया नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाया है।

मायावती ने ट्वीट कर बताया कि भाई आनंद कुमार पार्टी के मूवमेंट और हित में एक पद पर रहकर कार्य करने की इच्छा व्यक्त की है, ऐसे में आनंद कुमार पहले की तरह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद रहेंगे। जबकि उनकी जगह यूपी के सहारनपुर निवासी रणधीर बेनीवाल को नया कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया जाता है।

बहन जी के निर्देश के तहत करेंगे काम

मायावती ने आगे लिखा कि ऐसे में अब रामजी गौतम और रणधीर बेनीवाल ये दोनों मेरे दिशा-निर्देशन में देश के विभिन्न राज्यों में जिम्मेदारी संभालेंगे। पार्टी उम्मीद करती है कि ये लोग पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ कार्य करेंगे। गौरतलब है कि इससे पहले मायावती ने बड़ा फैसला लेते हुए भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से निकाल दिया था। मायावती ने आकाश को सभी पदों से हटा दिया था। पिछले साल लोकसभा चुनाव के दौरान मई में मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को कोऑर्डिनेटर के पद से हटा दिया था। लोकसभा चुनाव खत्म होते ही मायावती ने एक बार फिर उनको कोऑर्डिनेटर बनाया था।

भतीजे को पहले ही हटा चुकी हैं

मायावती ने 2 मार्च 2025 को आकाश आनंद को पद से हटाने के साथ ही पार्टी से भी निकाल दिया था। मायावती ने कहा कि आकाश आनंद के राजनीतिक पतन का कारण उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ हैं। इन दिनों बसपा में जबरदस्त पारिवारिक कलह मची है। इस कारण सियासी स्तर पर भी उसकी किरकिरी हो रही है।

किसान मार्च रोकने के लिए पुलिस की नाकेबंदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के चंडीगढ़ कूच के ऐलान के बाद पंजाब पुलिस ने पूरे राज्य में सुरक्षा बढ़ा दी है और किसानों के मूवमेंट को रोकने के लिए कड़ी नाकेबंदी की है। पंजाब पुलिस के डीआईजी गुरचरण सिंह भुल्लर ने कहा कि सभी नाकों पर कड़ी नाकाबंदी की गई है और पुलिस मुस्तैद है। अब तक किसानों का कोई मूवमेंट नहीं हुआ है और सब कुछ शांतिपूर्वक चल रहा है।

डीआईजी भुल्लर ने यह भी कहा कि प्रदेश के चंडीगढ़ को जोड़ने वाले सभी रास्ते सामान्य हैं और पूरे पंजाब में शांतिपूर्ण माहौल बना हुआ है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी कीमत पर किसानों को चंडीगढ़ नहीं आने दिया जाएगा। पंजाब में सुरक्षा के लिए बहुत मजबूत नाके लगाए गए हैं और नाकेबंदी की गई है, जिससे किसानों की कोई भी गतिविधि रुक गई है। उन्होंने यह भी बताया कि पंजाब में किसी भी स्थान पर किसानों को आने की कोशिश करने पर इलाके की पुलिस उन्हें रोककर अलग कर देती है, और पूरे पंजाब में ट्रैफिक सामान्य रूप से चल रहा है।

2 अप्रैल से भारत पर रेसिप्रोकल टैक्स लगाने की ट्रंप की घोषणा

» चीन, कनाडा, मेक्सिको और दक्षिण कोरिया से भी अमेरिका वसूलेगा रेसिप्रोकल टैक्स

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए एक बार फिर रेसिप्रोकल टैरिफ की बात की। उन्होंने कहा कि अब 'हाई टैरिफ' के बदले 'रेसिप्रोकल टैरिफ' लगाया जाएगा। अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कई बड़े ऐलान किए।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, कनाडा, मेक्सिको, भारत और दक्षिण कोरिया जैसे देश अमेरिका पर उच्च टैरिफ लगाते हैं। उन्होंने घोषणा की कि 2 अप्रैल से इन देशों पर रेसिप्रोकल टैक्स लगाए जाएंगे, यानी जो देश अमेरिका पर टैक्स लगाते हैं, अमेरिका भी उन देशों पर उतना ही टैक्स लगाएगा। ट्रंप ने कहा कि यह कदम अमेरिकी अर्थव्यवस्था को निष्पक्षता और संतुलन प्रदान करने के लिए उठाया जा रहा है।

अपने भाषण में ट्रंप ने कहा, हम पहले 1 अप्रैल से यह लागू करना चाहते थे, लेकिन 'अप्रैल फूल' के कारण इसे अब 2 अप्रैल से लागू करेंगे। उन्होंने इसे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को फिर से अमीर और महान बनाने के लिए जरूरी कदम बताया। ट्रंप ने यह भी कहा कि यूरोपीय संघ, चीन, ब्राजील, भारत और अन्य देशों ने दशकों से अमेरिका पर अधिक टैरिफ लगाए हैं, और अब वह समय आ गया है जब अमेरिका इन देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाएगा।

राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया, जो देश हमसे शुल्क वसूलते हैं, हम भी उनसे वही शुल्क वसूलेंगे। भारत हमसे 100 प्रतिशत टैरिफ वसूलता है, और यह अमेरिका के लिए उचित नहीं है। यह कभी नहीं था। उन्होंने कहा कि यह कदम अमेरिकी किसानों, निर्माताओं और श्रमिकों की रक्षा के लिए उठाया जा रहा है, जो लंबे समय से असंतुलित व्यापार नीतियों से प्रभावित हो रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि यह बदलाव अमेरिका को पहले रखने के लिए किया जा रहा है, और अब समय आ गया है कि अमेरिका उन देशों के खिलाफ कदम उठाए जो दशकों से अमेरिका के खिलाफ टैरिफ का इस्तेमाल कर रहे हैं।

डेमोक्रेट्स की आलोचना की

ट्रंप ने कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए डेमोक्रेट्स की आलोचना की, जो उनकी टिप्पणियों की सराहना करने से इनकार कर रहे थे। ट्रंप ने इसे बहुत दुखद बताया और कहा, मैं अपने सामने डेमोक्रेट्स को देखता हूं, और मुझे एहसास होता है कि मैं उन्हें खुश करने या उन्हें खड़ा करने, मुस्कुराने या ताली बजाने के लिए कुछ भी नहीं कह सकता। मैं कुछ भी नहीं कर सकता।

ताली नहीं बजाने से नाराज दिखे ट्रंप

उन्होंने आगे कहा, मैं सबसे विनाशकारी बीमारी का इलाज ढूंढ सकता हूं, एक ऐसी बीमारी जो पूरे राष्ट्र को मिटा देगी या इतिहास की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था या अपराध को अब तक के सबसे निचले स्तर पर रोकने के उत्तर की घोषणा करेगा। ये लोग यहां बैठे हैं, ताली नहीं बजाएंगे, खड़े नहीं होंगे और निश्चित रूप से इन उपलब्धियों की प्रशंसा नहीं करेंगे। वे ऐसा नहीं करेंगे, चाहे कुछ भी हो जाए। ट्रंप ने निराशा व्यक्त करते हुए कहा, मैं पांच बार यहां आ चुका हूं। यह बहुत दुखद है, और ऐसा नहीं होना चाहिए।

'मध्य प्रदेश में होगा सीएम का पुतला दहन'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार के पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद पटेल के बयान को लेकर कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। कांग्रेस ने ऐलान किया है कि जनता को भिखारी कहने वाले मंत्री का 6 मार्च को पूरे प्रदेश में पुतला दहन किया जाएगा, जिसमें ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों सहित ब्लॉक, मंडल एवं सेक्टर के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल रहेंगे।

कांग्रेस ने बुधवार को पूरे प्रदेश में पत्रकार वार्ताओं का आयोजन कर मंत्री प्रह्लाद पटेल पर जमकर हमला बोला। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि चुनाव के पहले जनता को लालच देकर खरीदने की कोशिश करना और चुनाव के बाद उसी जनता को अपमानित करना भाजपा की पुरानी आदत है। अब, प्रदेश सरकार के मंत्री का बयान जनता का अपमान है। कांग्रेस नेताओं ने भाजपा के पिछड़े वर्ग के नेताओं की चुप्पी साधने पर सवाल उठाए हैं।

धर्म के आधार पर राजनीति बंद करे बीजेपी: नागराज यादव

» बोले - अल्पसंख्यकों को निशाना बनाना गलत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कर्नाटक कांग्रेस के नेता और एमएलसी नागराज यादव ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र पर धर्म के आधार पर राजनीति करने का आरोप लगाया। अल्पसंख्यक आरक्षण को लेकर नागराज यादव ने सवाल किया कि विजयेंद्र अल्पसंख्यकों पर हमला क्यों करते रहते हैं? वे भी देश का हिस्सा हैं। चाहे वे मुसलमान हों या हिंदू, वे इंसान हैं।

विजयेंद्र को ऐसे बयान देने से बचना चाहिए। यह पूरी तरह संविधान के खिलाफ है। वह अल्पसंख्यकों को इस तरह से निशाना नहीं बना सकते। अगर वह कुछ नीतियां लागू करना चाहते हैं, तो वह सत्र में चर्चा कर सकते हैं।

सांप्रदायिक भाषण कानून पर उन्होंने कहा हम फर्जी खबरों और नफरत फैलाने वाले भाषणों के बारे में कुछ करेंगे। इससे समाज में बहुत अशांति फैलती है। लोगों को नफरत फैलाने वाले भाषणों को बढ़ावा देने और समाज को विभाजित करने से बचना चाहिए। हम यहां काम करने के साथ-साथ इंसानों का सम्मान करने के लिए हैं। नागराज यादव ने कहा कि भाजपा को अनुसूचित जाति योजना और अनुसूचित जनजाति उप-योजना (एससीपीएसएसपी) के बारे में बात करने का कोई अधिकार नहीं है। सबसे पहले, भाजपा से कहें कि वे उन सभी राज्यों में एससीपीटीएसपी लागू करें, जहां वे वर्तमान में शासन कर रहे हैं।

आईईडी विस्फोट की चपेट में आने से कमांडेंट सहित तीन जवान घायल

» एयरलिफ्ट कर लाये गये रांची इलाज जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के चाईबासा जिले में नक्सलियों द्वारा जमीन के नीचे लगाए गए आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) के विस्फोट की चपेट में आने से सीआरपीएफ कोबरा बटालियन के एक असिस्टेंट कमांडेंट सहित सुरक्षा बल के तीन जवान घायल हो गए हैं। घायलों को एयरलिफ्ट कर इलाज के लिए रांची लाया गया है। विस्फोट की घटना जराईकेला थाना क्षेत्र के बलीबा में बुधवार को उस वक्त हुई, जब सुरक्षा बलों और पुलिस की ज्वाइंट टीम जंगल-पहाड़ी से घिरे इलाके में नक्सलियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन में जुटी थी।

चाईबासा के एसपी आशुतोष शेखर ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि नक्सलियों के खिलाफ लगातार अभियान जारी है। इसी दौरान एक आईईडी में विस्फोट की घटना हुई है। विस्फोट की चपेट में आए सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट और दो जवानों को तत्काल हेलीपैड तक लाया गया और इसके बाद हेलीकॉप्टर के जरिए उन्हें रांची पहुंचाया गया। ब्लास्ट की यह घटना उस समय हुई है, जब सीआरपीएफ के डीजीपी झारखंड के दौरे पर हैं।

भाकपा माओवादी उठा रहे हैं सर

बताया गया है कि भाकपा माओवादी नक्सली संगठन के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन अपने दस्ते के सदस्यों के साथ सारंडा और कोल्हान क्षेत्र में सक्रिय है। उनके खिलाफ सुरक्षाबलों द्वारा लगातार अभियान संचालित किया जा रहा है।

गोला बारूद किया था बरामद

चाईबासा में पुलिस और सुरक्षा बलों ने पिछले दस दिनों के अंदर नक्सलियों के तीन डंप को ध्वस्त करते हुए हथियारों का जखीरा बरामद किया है। मंगलवार को जिले के टोंटो थाना क्षेत्र के हुसिपी जंगल में एक कैंप को ध्वस्त किया गया था। इस दौरान 10-10 किलोग्राम क्षमता वाले दो आईईडी भी डिफ्यूज कर दिए गए थे। इस कैंप से एक देशी पिस्टल, दो कार्बाइन, एक राइफल, दस किलो आईईडी, 58 डेटोनेटर समेत अन्य सामान बरामद किए गए थे। इसके पहले 24 फरवरी को भी टोंटो थाना क्षेत्र में पुलिस और सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के दो कैंप ध्वस्त किए थे और इस दौरान अमेरिका में निर्मित एम-16 राइफल सहित 10 हथियार और 500 से अधिक गोलियां बरामद की गई थीं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।